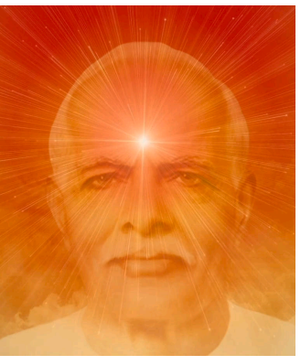

19-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

"मीठे बच्चे - जैसे बापदादा दोनों निरहंकारी हैं, देही-अभिमानी हैं, ऐसे फॉलो फादर करो, तो सदा उन्नति होती रहेगी"

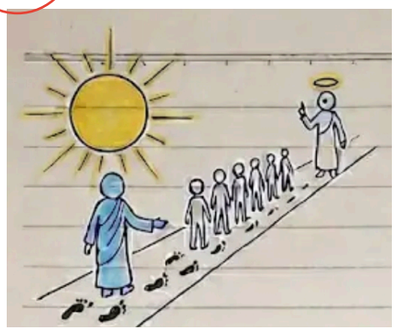

प्रश्नः-ऊंच पद की प्राप्ति के लिए कौन सी खबरदारी रखना जरूरी है?

उत्तरः- 1. ऊंच पद पाना है तो खबरदारी रखो कि मन्सा से भी किसी को मेरे द्वारा दु:ख न हो,

2- किसी भी परिस्थिति में क्रोध न आये,

3- बाप का बनकर बाप के कार्य में, इस रूद्र यज्ञ में विघ्न रूप न बनें। अगर कोई मुख से बाबा-बाबा कहे और चलन रॉयल न हो तो ऊंच पद नहीं मिल सकता।

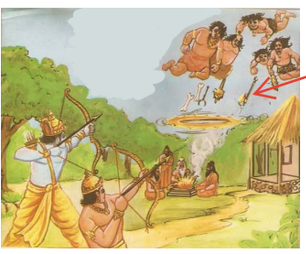

Mind well

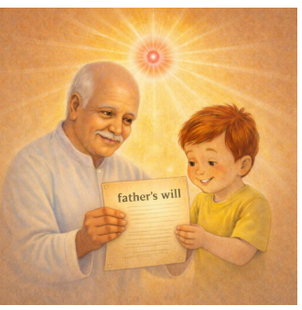

ओम् शान्ति। बच्चे अच्छी तरह से जानते हैं कि बाप से वर्सा पाना है जरूर। कैसे? श्रीमत पर।

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

19-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

बाप ने समझाया है एक ही गीता शास्त्र है जिसमें श्रीमत भगवानुवाच है। भगवान तो सबका बाप है। श्रीमत भगवानुवाच। तो जरूर भगवान ने आकर श्रेष्ठ बनाया होगा, तब तो उसकी महिमा है। श्रीमत भगवत गीता अर्थात् श्रीमत भगवानुवाच। भगवान तो जरूर ऊंच ते ऊंच ठहरा। श्रीमत भी उस ही एक शास्त्र में गाई हुई है और कोई शास्त्र में श्रीमत भगवानुवाच नहीं है। श्रीमत किसकी होनी चाहिए, वह लिखने वाले भी समझ न सकें। उसमें भूल क्यों हुई है? वह भी बाप आकर समझाते हैं। रावण राज्य शुरू होने से ही रावण मत पर चल पड़ते हैं। पहले कड़े ते कड़ी भूल इन रावण मत वालों ने की है। रावण की चमाट लगती है। जैसे कहा जाता है शंकर प्रेरक है, बॉम्बस आदि बनवाये हैं। वैसे 5 विकारों रूपी रावण प्रेरक है मनुष्य को पतित बनाने का, तब तो पुकारते हैं पतित-पावन आओ। तो पतित-पावन एक ही ठहरा ना। इससे सिद्ध है कि पतित बनाने वाला और है, पावन बनाने वाला और है। दोनों एक हो नहीं सकते। यह बातें तुम ही समझते हो - नम्बरवार पुरुषार्थ

Both are different

How lucky and Great we are...!

अनुसार। ऐसे मत समझना कि सभी को निश्चय है। नम्बरवार हैं। जितना निश्चय है उतनी खुशी बढ़ती है। बाप की मत पर चलना होता है। श्रीमत पर हमको यह स्वराज्य पद पाना है। मनुष्य से देवता बनने में देरी नहीं लगती है। तुम पुरुषार्थ करते हो। मम्मा बाबा को फॉलो करते हो। जैसे वह आप समान बनाने की सर्विस कर रहे हैं, तुम भी समझते हो हम क्या सर्विस कर रहे हैं और मम्मा बाबा क्या सर्विस कर रहे हैं। बाबा ने समझाया था कि शिवबाबा और ब्रह्मा दादा दोनों इकट्ठे हैं। तो समझना चाहिए कि सबसे नजदीक हैं। इनका ही सम्पूर्ण रूप सूक्ष्मवतन में देखते हैं तो जरूर यह तीखा होगा। परन्तु जैसे बाप निरहंकारी है, देही-अभिमानी है वैसे यह दादा भी निरहंकारी है। कहते हैं कि शिवबाबा ही समझाते रहते हैं। जब मुरली चलती है तो बाबा खुद कहते हैं कि समझो कि शिवबाबा इन द्वारा सुना रहे हैं। यह ब्रह्मा भी जरूर सुनता होगा। यह न सुने और न सुनाये तो ऊंच पद कैसे पाये। परन्तु अपना देह-अभिमान छोड़ कहते हैं कि ऐसे समझो कि

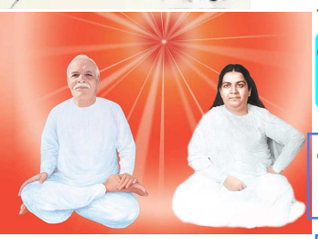

आदम को खुदा मत कहो, आदम खुदा नहीं।
लेकिन खुदा के नूर से आदम जुदा नहीं।

We have to follow the same →

Brahma

शिवबाबा ही सुनाते हैं। हम पुरुषार्थ करते रहते हैं। शिवबाबा ही समझाते हैं। इसने तो पतित-पना

पास किया हुआ है। मम्मा तो कुमारी थी। तो मम्मा ऊंच चली गई। तुम भी कुमारियाँ मम्मा को फॉलो

करो। गृहस्थियों को बाबा को फॉलो करना चाहिए। हर एक को समझना है कि मैं पतित हूँ, मुझे पावन बनना है। मुख्य बात बाप ने याद के यात्रा की सिखलाई है। इसमें देह-अभिमान नहीं रहना चाहिए। अच्छा कोई मुरली नहीं सुना सकते

तो याद की यात्रा पर रहो। यात्रा पर रहते मुरली चला सकते हैं। परन्तु यात्रा भूल जाते हैं तो भी हर्जा नहीं। मुरली चलाकर फिर यात्रा पर लग जाओ क्योंकि वह वाणी से परे वानप्रस्थ अवस्था है। मूल बात है देही-अभिमानी हो बाप को याद

करते रहें और चक्र को याद करते रहें। किसी को दु:ख न दें। यही समझाते रहें बाप को याद करो। यह है यात्रा। मनुष्य जब मरते हैं तो कहते हैं - स्वर्ग

पधारा। अज्ञान काल में कोई स्वर्ग को याद नहीं करते हैं। स्वर्ग को याद करना माना यहाँ से मरना। ऐसे तो कोई याद नहीं करते। अभी तुम बच्चे

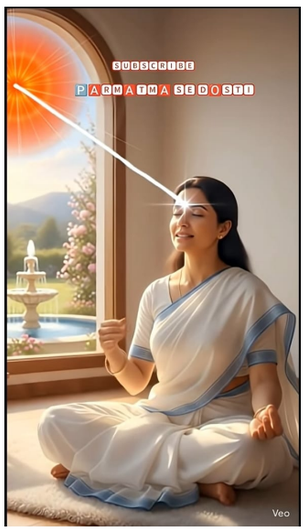

जानते हो हमको वापिस जाना है। बाप कहते हैं - जितना तुम याद करेंगे उतना खुशी का पारा चढ़ेगा, वर्सा याद रहेगा। जितना बाप को याद करेंगे उतना हर्षित भी रहेंगे। बाप को याद न करने से मूँझते हैं। घुटका खाते रहते हैं। तुम इतना समय याद कर नहीं सकते। बाबा ने आशिक माशूक का मिसाल बताया है। वह भल धंधा करते हैं और वह भल चर्खा चलाती रहती तो भी उसके सामने माशूक आकर खड़ा हो जाता। आशिक माशूक को याद करते, माशूक फिर आशिक को याद करते। यहाँ तो सिर्फ तुमको एक बाप को याद करना है। वह सबका माशूक है। तुम बच्चे लिखते हो कि बाबा आप हमको याद करते हो? अरे जो सबका माशूक है वह फिर तुम आशिकों को याद कैसे कर सकेंगे? हो नहीं सकता। वह है ही माशूक। आशिक बन नही सकता। तुमको ही याद करना है। तुम हर एक को आशिक बनना है, उस एक माशूक का। अगर वह आशिक बने तो कितने को याद करे। यह तो हो नहीं सकता। कहता है कि मेरे ऊपर पापों का बोझ थोड़ेही है जो किसको याद करूँ। तुम्हारे

imp to understand

समझा?

सदा के निश्चय बुद्धि अर्थात् सदा के विजयी। जहाँ निश्चय है वहाँ विजय स्वत: है। अगर विजय नहीं तो निश्चय में कहाँ न कहाँ कमी है।

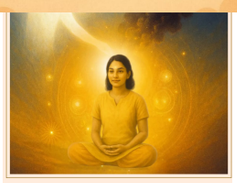
देही-अभिमानी बनने में बड़ी मेहनत है। जितना देही-अभिमानी बनेंगे, उतना बाप को याद करेंगे। फिर अथाह खुशी रहनी चाहिए।

19-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

ऊपर बोझा है। बाप को याद नहीं करेंगे तो पापों का बोझा नहीं उतरेगा। बाकी मुझे क्यों किसको याद करना पड़े। याद करना है तुम आत्माओं को। जितना याद करेंगे उतना पुण्य आत्मा बनेंगे, पाप कटते जायेंगे। बड़ी मंजिल है। देही-अभिमानी बनने में ही मेहनत है। यह नॉलेज सारी तुमको मिल रही है। तुम त्रिकालदर्शी बने हो, नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। सारा चक्र तुम्हारी बुद्धि में रहना चाहिए। बाप समझाते हैं तुम लाइट हाउस हो ना। हर एक को रास्ता बताने वाले हो, शान्तिधाम और सुखधाम का। यह सब नई बातें तुम सुनते हो। जानते हो कि बरोबर हम आत्मायें शान्तिधाम के रहवासी हैं। यहाँ पार्ट बजाने आते हैं। हम एक्टर हैं। यही चिंतन बुद्धि में चलता रहे तो मस्ती चढ़ जाये। बाप ने समझाया है आदि से लेकर अन्त तक तुम्हारा पार्ट है। अभी कर्मातीत अवस्था में जरूर जाना है फिर गोल्डन एज़ में आना है। इस धुन में रहते अपना कल्याण करना है। सिर्फ पण्डित नहीं बनना है। दूसरे को सिखाते रहेंगे, खुद उस अवस्था में नहीं रहेंगे तो असर पड़ेगा नहीं।

चढ़ाओ नशा...

"I am the master of this Universe."
Most Powerful Mom in the Universe

पंडित भगवान का नाम लेकर (जैसा कि वह उपदेश देता था) नदी पार करने में असफल रहा, जबकि ग्वालिन भगवान का नाम लेकर नदी पार कर गई

m.m.m....imp.

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

Brahma baba says:

अपना भी पुरुषार्थ करना है। बाप भी बताते हैं कि हम भी याद करने की कोशिश करता हूँ। कभी माया का तूफान ऐसा आता है जो बुद्धि का योग तोड़ देते हैं। बहुत बच्चे चार्ट भेज देते हैं। वन्डर खाता हूँ कि यह तो हमसे भी तीखे जाते हैं। शायद वेग आता है तो चार्ट लिखने में लग जाते हैं परन्तु ऐसी अगर तीखी दौड़ी पहनें तो नम्बरवन में चले जायें। परन्तु नहीं वह सिर्फ चार्ट लिखने तक है। ऐसे नहीं लिखते कि बाबा इतनों को आप समान बनाया। और वह भी लिखे बाबा हमको इसने यह रास्ता बताया है। ऐसा समाचार नहीं आता है। तो बाबा क्या समझेंगे? सिर्फ चार्ट भेजने से काम नहीं चलता। आप समान भी बनाना है। रूप और बसन्त दोनों बनना है। नहीं तो बाप समान नहीं ठहरे। रूप भी बसन्त भी एक्यूरेट बनना है, इसमें ही मेहनत है। देह-अभिमान मार डालता है। रावण ने देह-अभिमानी बनाया है। अभी तुम देही-अभिमानी बनते हो। फिर आधाकल्प के बाद माया रावण देह-अभिमानी बनाती है। देही-अभिमानी तो बहुत मीठा बन जाते हैं। सम्पूर्ण तो अभी कोई भी

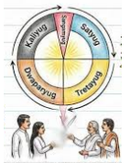

Mind very well...

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

अभी गफलत में ना रहना, ये बाते मीठे बाबा ने *1969* से पहले कही थी

याद करो...

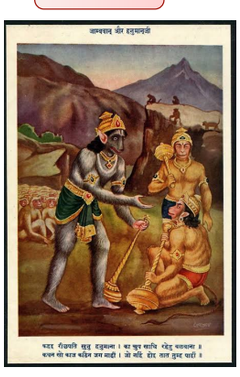

बना नहीं है इसलिए बाबा हमेशा कहते हैं कि किसी के भी दिल को रंज नहीं करना है, दु:ख नहीं देना है। सबको बाप का परिचय दो। बोलने करने की भी बड़ी रॉयल्टी चाहिए। ईश्वरीय सन्तान के मुख से सदैव रत्न निकलने चाहिए। तुम मनुष्यों को जीयदान देते हो। रास्ता बताना है और समझाना है। तुम परमात्मा के बच्चे हो ना। उनसे तुमको स्वर्ग की राजाई मिलनी चाहिए। फिर अब वह क्यों नहीं है। याद करो बरोबर बाप से वर्सा मिला था ना। तुम भारतवासी देवी देवतायें थे, तुमने ही 84 जन्म लिए। तुम समझो कि हम ही लक्ष्मी नारायण के कुल के थे। m.m.m....imp. अपने को कम क्यों समझते हो। अगर कहते कि बाबा सब थोड़ेही बनेंगे। तो बाबा समझ जाता कि यह इस कुल का नहीं। अभी से ही थिरकने लग पड़ा है। तुमने 84 जन्म लिए हैं। बाप ने 21 जन्मों की प्रालब्ध जमा कराई वह खाया फिर ना (समाप्त) होना शुरू हो गई। कट चढ़ते-चढ़ते तमोप्रधान कौड़ी मिसल बन पड़े हो। भारत ही 100 प्रतिशत सॉलवेन्ट था। इन्हों को यह वर्सा कहाँ से मिला? एक्टर्स ही बता

"Life is a drama
The world is a stage
Men are actor
God is the director."

- William Shakespeare

सकेंगे ना। मनुष्य ही एक्टर हैं। उनको यह पता होना चाहिए कि इन लक्ष्मी-नारायण को बादशाही मिली कहाँ से? कितनी अच्छी-अच्छी प्वाईन्ट्स हैं। जरूर आगे जन्म में ही यह राज्य भाग्य पाया होगा।

बाप ही पतित-पावन है। बाप कहते हैं कि मैं तुमको कर्म, अकर्म और विकर्म की गति समझाता हूँ। रावण राज्य में मनुष्य के कर्म विकर्म हो जाते हैं। वहाँ तुम्हारे कर्म अकर्म होते हैं। वह है दैवी सृष्टि। मैं रचता हूँ तो जरूर मुझे संगम पर आना पड़े। यह है रावण राज्य। वह है ईश्वरीय राज्य। ईश्वर अब स्थापना करा रहे हैं। तुम सब ईश्वर के बच्चे हो, तुमको वर्सा मिल रहा है। भारतवासी ही सॉलवेन्ट थे, अब इनसॉलवेन्ट बन गये हैं। यह बना बनाया ड्रामा है, इसमें फ़र्क नहीं हो सकता। सबका झाड़ अपना-अपना है। वैराइटी झाड़ है ना। देवता धर्म वाले ही फिर देवता धर्म में आयेंगे।

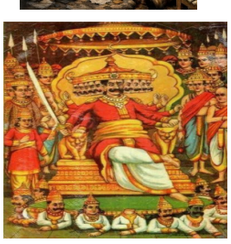

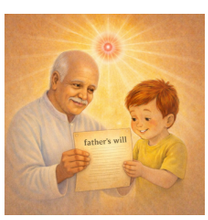

m.m.m....imp.

Point to ponder deeply...

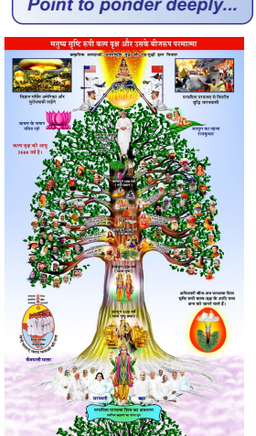

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

Point to be Noted

क्रिश्चियन धर्म वाले अपने धर्म में खुश हैं औरों को भी अपने धर्म में खींच लिया है। भारतवासी अपने धर्म को भूलने के कारण वह धर्म अच्छा समझ चले जाते हैं। विलायत में नौकरी के लिए कितने जाते हैं क्योंकि वहाँ कमाई बहुत है। ड्रामा बड़ा वण्डरफुल बना हुआ है। इसको समझने की अच्छी बुद्धि चाहिए। Here is the tool :- विचार सागर मंथन करने से सब कुछ समझ में आ जाता है। यह बना बनाया अनादि ड्रामा है। तो तुम बच्चों को आपसमान सदा सुखी बनाना है। यह तुम्हारा धन्धा है पतितों से पावन बनाना। जैसे बाप का धंधा वैसे तुम्हारा। तुम्हारा मुखड़ा सदैव देवताओं जैसा हर्षित होना चाहिए खुशी में। तुम जानते हो हम विश्व के मालिक बनते हैं। तुम हो लवली चिल्ड्रेन। क्रोध पर बड़ी खबरदारी रखनी है। बाप आये हैं बच्चों को सुख का वर्सा देने। स्वर्ग का रास्ता सबको बताना है। बाप सुख कर्ता, दु:ख हर्ता है। तो तुमको भी सुख कर्ता बनना है। किसको दु:ख नहीं देना है। दु:ख देंगे तो तुम्हारी सज़ा 100 गुणा बढ़ जायेगी। कोई भी सजा से बच नहीं सकता। बच्चों के लिए

No matter who you are....

Attention Please..!

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

समझा?

तो खास ट्रिब्युनल बैठती है। बाप कहते कि तुम विघ्न डालेंगे तो बहुत सजा खायेंगे। कल्प-कल्पान्तर तुम साक्षात्कार करेंगे कि फलाने यह बनेंगे। आगे जब देखते थे तो बाबा मना करते थे कि न सुनाओ। अन्त में तो एक्यूरेट मालूम पड़ता जायेगा। आगे चलकर जोर से साक्षात्कार होंगे। वृद्धि तो होती जायेगी। आबू तक क्यू लग जायेगी। बाबा से कोई भी मिल नहीं सकेंगे। कहेंगे अहो प्रभू तेरी लीला। यह भी गाया हुआ तो है ना। विद्वान, पण्डित आदि भी पीछे आयेंगे। उन्हों के सिंहासन भी हिलेंगे। तुम बच्चे तो बहुत खुशी में रहेंगे। अच्छा!

So, Value this Time

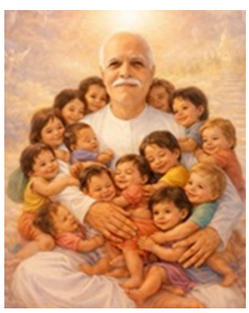

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार। ऐसी यादप्यार एक ही बार मिलती है। जितना तुम याद करते हो उतना तुम प्यार पाते हो। विकर्म विनाश होते हैं और धारणा भी होती है। बच्चों को खुशी का पारा चढ़ा

Simple Math..

रहना चाहिए। जो भी आये उनको रास्ता बतायें। बेहद का वर्सा बेहद के बाप से पाना है। कम बात है क्या? ऐसा पुरुषार्थ करना चाहिए। अच्छा!

मीठे-मीठे सिकीलधे रूहानी बच्चों प्रति रूहानी बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

धारणा के लिए मुख्य सार:-

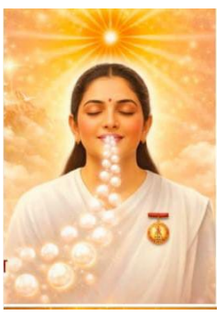

1) बोलने चलने में बहुत रॉयल बनना है। मुख से सदैव रत्न निकालने हैं। आप समान बनाने की सेवा करनी है। किसी की दिल को रंज नहीं करना है।

2) क्रोध पर बड़ी खबरदारी रखनी है। मुखड़ा सदैव देवताओं जैसा हर्षित रखना है। स्वयं को ज्ञान योगबल से देवता बनाना है।

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

Method/Process/Instrument

Outcome/Output/Result

19-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

वरदान:- पावरफुल दर्पण द्वारा सभी को स्वयं का साक्षात्कार कराने वाले साक्षात्कारमूर्त भव

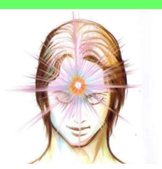

Finale Achievement

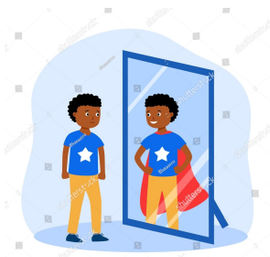

जैसे दर्पण के आगे जो भी जाता है, उसे स्वयं का स्पष्ट साक्षात्कार हो जाता है।

लेकिन अगर दर्पण पावरफुल नहीं तो रीयल रूप के बजाए और रूप दिखाई देता है। होगा पतला दिखाई देगा मोटा,

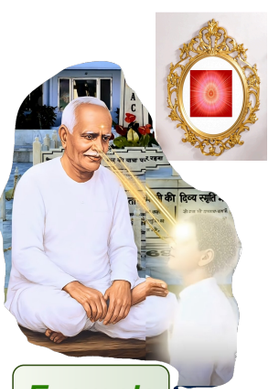

Example

इसलिए आप ऐसे पावरफुल दर्पण बन जाओ, जो सभी को स्वयं का साक्षात्कार करा सको अर्थात् आपके सामने आते ही देह को भूल अपने देही रूप में स्थित हो जायें

Definition of

- वास्तविक सर्विस यह है, इसी से जय-जयकार होगी।

Answer:

स्लोगन:- शिक्षाओं को स्वरूप में लाने वाले ही ज्ञान स्वरूप, प्रेम स्वरूप आत्मा हैं।

Question:

Points: ज्ञान योग धारणा सेव .imp.

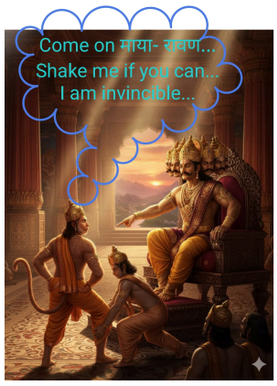

ये अव्यक्त इशारे-

"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"

बाप में तो निश्चय है लेकिन अपने में भी निश्चयबुद्धि होकर कार्य करो तो फिर विजय ही विजय है।

विजय के आगे समस्या कोई चीज़ नहीं है। फिर वह समस्या नहीं फील होगी लेकिन खेल फील होगा।

खेल खुशी से किया जाता है। कोई कार्य सहज होता है तो कहा जाता यह तो बायें हाथ का खेल है अर्थात् सहज है।

तो यह भी बुद्धि का खेल हो जायेगा। खेल में घबरायेंगे नहीं।

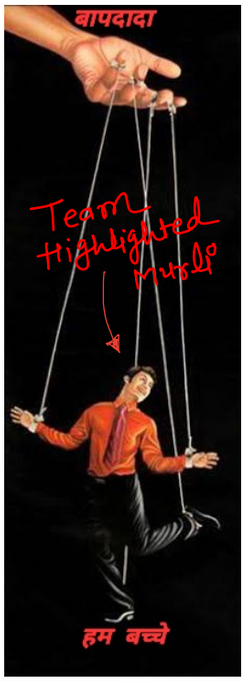

ओम शांति,
30 मार्च 2026 को इस हाइलाइटेड मुरली की सेवा को 6 साल पूरे हो रहे हैं (इसको 30/3/2020 को शुरू किया था) तो इस उपलक्ष में यहां पर हम आपके साथ एक गूगल फॉर्म शेयर कर रहे हैं जिसके द्वारा ये जान पाएंगे कि...

1. आपको Highlighted मुरली से क्या प्राप्ति हो रही है एवं आप इसको अपने पुरुषार्थ में कैसे उपयोग में लेते है ? (अनुभव)
2. आप Highlighted मुरली में क्या कुछ नवीनता चाहते हैं? (feedback)
3. हम ये जान पाए कि देश-विदेश में Highlighted मुरली की पहुंच कहां तक है? (Reach of मुरली)

आपको अगर कोई शिकायत हो तो भी जरूर लिखे। हम उसे solve करने का प्रयास करेंगे।

कृपया अपने सुझाव एवं प्रतिभाव अवश्य साझा करें, आपके सुजाव एवं प्रतिभाव हमे आगे के लिए पथ प्रदर्शन में सहयोगी बनते है। (क्योंकि पहले भी आप श्रेष्ठ आत्माओं के feedback के आधार से ही gradually बहुत सारे changes किए हुए है)

आपके द्वारा भेजे गए Feedback में से कुछ एक Feedback को यहाँ पर साझा करेंगे, जिससे कि दूसरों को अपने पुरुषार्थ में बल मिल सकें ।

शुक्रिया, ओम शांती।

Link of Google Form ===> ***Click***

Team Highlighted Murli

पिछले दो चार दिनों में जो अनुभव प्राप्त हुए है उन में से कुछ अनुभव यहां पर रख रहे है
जो आपको उमंग व खुशी देंगे एवं
उनके अनुभवों से आपको आपके पुरुषार्थ के लिए नए आयाम मिलेंगे

सबसे खास अनुभव जो आया वो है हम ब्राह्मणों का सबसे अधिक प्यारा स्थान "मधुबन"।
की जहां स्वयं भगवान ब्रह्मा तन में पधारे एवं श्रृष्टि के आदि पिता हमारे मीठे प्यारे ब्रह्माबाबा ने अपना सर्वस्व दधीचि ऋषि बनके विश्व सेवा अर्थ लगाया।

उस परम पावन भूमि से निरंतर भगवान की पालना में पल रही एक महारथी आत्माने, कुछ साधारण प्यादे समान आत्माओं का उमंग उत्साह बढ़ाया है। ये अपने आप में वंडरफुल बात है जो कि परमात्म पालना का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

जैसे जिस पेड़ पर ज्यादा फल लगे होते हैं तो वह स्वतः ही झुक जाता हैं,
वैसे ही हमारे मधुबन निवासी भाई बहने जो कि स्वयं भगवान की पालना में पल रहे हैं वह एक-एक महान आत्मा फलों से लदे हुए उस पेड़ के समान है।

और जैसे मीठे ब्रह्मा बाबा बच्चों को अपने से आगे बढ़ाते थे, वैसे ही follow father करते औरों को आगे बढ़ाने में अपना सर्वस्व लगा रहे हैं।

आदरणीय भाईजी,
बापदादा के instrument हम सभी हाइलाइटेड मुरली टीम के सदस्य आपने जो उमंग उत्साह बढ़ाया उसके लिए तहे दिल से शुक्रगुजार है और उसको बाबा के चरणों में समर्पित करते है। साथ ही आपकी विनम्रता एवं निरहंकारिता को सादर वंदन करते हैं।

ॐ शांति

Name	BK Jitu Bhai, Youth wing
समर्पित?	Yes
From:	मधुबन
Age of body	51
ज्ञान में	47 years
HLM कब से	3 years
Experience:	You are doing very good sewa. It is very useful to understand murli with baba's original view (Bhaav), very helpful for explaining or easy to read for others. if possible please send quiz questions of same murli for churming and to create interest within youth.

आप सभी महानतम आत्माओं से एक विनम्र निवेदन है कि जब भी आप अपना अनुभव साझा करें तो उसमें कृपा करके Team HLM (टीम हाइलाइटेड मुरली) का किसी भी प्रकार से धन्यवाद ना करें क्योंकि यह सेवा मीठे बाप दादा ही करवा रहे हैं तो आप को जो भी धन्यवाद करना है वह direct मीठे बाप दादा का ही करें।

क्योंकि यह अमूल्य और अति गुह्य ज्ञान साथ ही इसकी गहराई को समझने के लिए दिव्य बुद्धि - ये सब कुछ उस दाता की ही देन है तो महिमा भी उसी की होनी चाहिए।

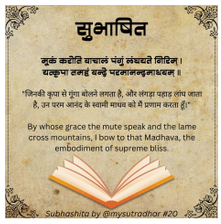

आदरणीय बीके डॉ. सचिन भाईजी ने एक क्लास में बताया था कि बाबा जैसे की टंकी है और हम सब है नल। तो महिमा उस टंकी (बाबा) की होनी चाहिए न कि नल की।
वो चाहता तो किसी भी और नल को निमित्त बनाकर ज्ञान रूपी पानी को आप तक पहुंचा सकते थे लेकिन उन्होंने इस किस्से में Team HLM को निमित्त बनाया है।

तो आप सभी दिव्यबुद्धि के धनी आत्माएं जिन्होंने गुप्त रूप में आए भगवान को पहचान लिया है उन्हों से विनम्र निवेदन है कि इस बात को भी अपनी दिव्य बुद्धि में रखकर उस सर्वशक्तिमान बाप दादा का ही शुक्रिया अदा करेंगे।

और जब ऐसा होगा तो Team HLM को जो खुशी होगी उसको यहां शब्दों में बया नहीं किया जा सकता।

ॐ शांति

Other Recent Experiences

Name	Bk Kantibhai
समर्पित?	No
From:	Gandhinagar [gujarat]
Age of body	70 Years
ज्ञान में	17 years
HLM कब से	1 Year
Experience:	When I was in Australia, I have started study highlighted murli. it impact on brain due to pictures. It creates new pathways in brain. Good idea Thanks Omshanti

Name	BK Praveena
समर्पित?	
From:	Bharatpur, Rajasthan
Age of body	37 years
ज्ञान में	22 years
HLM कब से	1 year
Experience:	हाईलाइट मुरली बहुत ही अच्छी सुंदर तरीके से समझ आ जाती चित्रों के द्वारा पूरी बुद्धि में फिट हो जाती है भूलती नहीं है मुरली का पूरा गीत मिलता है अगर कोई कहानी कहावत आती है तो उसका भी स्पष्ट जबाब मिलता है आप सभी का बहुत बहुत शुक्रिया

Name	MInakshi
समर्पित?	
From:	faridabad, haryana
Age of body	45 years
ज्ञान में	12 but not regular
HLM कब से	2 years
Experience:	due to reading highligted murli & after that quiz murli points yad rahte or daily life mai use karne ki koshis karti hu , bhut hi khushi hoti murli parkar as ache se clear hoti hai , baba ka gyan kisi ko samjha bhi pati hu as khud ko ache se clarity hoti hai , thanks Baba thanks to all sewadari --its a big big seva

Name	BK Meena Bharti
समर्पित?	No
From:	Ghumarwin Himachal Pradesh
Age of body	50
ज्ञान में	24 years
HLM कब से	5 years
Experience:	ऊं शांति दिव्य भ्राता जी हाईलाइटिड मुरली हमारे लिए बहुत बहुत मददगार साबित हुई है। हम गीता पाठशाला चलाते हैं और रोज मुरली के रंग बिरंगे अण्डरलाइन किए हुए महावाक्यों से सभी भाई बहनों को समझने में बहुत मदद मिलती है। जैसे बना बनाया मक्खन खाने को मिल रहा है। हाइलाइटिड महावाक्यों के साथ जो रिलेटिड चित्र दिए होते हैं वो तो ये सेवा करने वाले सेवाधारी की कमाल होती है इसके लिए बाबा और हम सब की बहुत बहुत बहुत दुआएं हैं आपको। इन चित्रों के आधार पर ही हम क्लास में मुरली का रिवीजन करते हैं सिर्फ चित्र देखकर मुरली प्वाइंट पूछा जाता है। भाई बहनें चित्र बना कर भी लाते हैं इससे ।वैरायटी के साथ मुरली प्वाइंट याद रहते हैं। हम सोचते हैं कि कितना बाबा के हर महावाक्य को आत्मसात किया होगा जो सहज समझाने की सेवा कर रहे हैं क्योंकि यह सेवा बहुत गहराई से मुरली को समझकर ही हो सकती है। इसलिए बहुत बहुत बहुत साधुवाद और धन्यवाद !!

Double foreigner

Name	Reenaa Saawhney
समर्पित?	No
From:	Canada ; (Rohtak Haryana, India)
Age of body	58 year
ज्ञान में	I did Rajyoga meditation course in 2018 but started practicing since 2020 so you can say for 6 years.
HLM कब से	1 year
Experience:	Thanks to the team for taking out their time and putting their conscious efforts in highlighting the murli. It makes it so easier to understand murli in all the four subjects. Baba bless you all🙏

Name	Surbhi
समर्पित?	Not physically but mentally 😊
From:	Dubai UAE
Age of body	32
ज्ञान में	5 years
HLM कब से	3years
Experience:	1. Clarity achi milti hai, 2. Normally pdhne ya sunne me Koi imp point ya line skip ho jati h, to wo HM me clear ho jati h, emphasise kiya jata hai ki baba kya kehna chah rhe the or kis rishte se wo bat kahi. 3. Point search krna b easy ho jata h images se, ki konsa pt kb konse page pr aya tha agr use dubara padhna ho to. 4. Points yad krne me bhut bhut help milti hai. 5. Baba se pyar or jyada feel hota h, bar bar unki or adiratno ki photo dekhne ko milti h chitra revise hote rhte hai. 6. Chitro m b likhai hoti h ki kha focus krna hota hai, kuch pix kai bar dekhi hui hoti h, tb b HM me pahli bar notice hui ki ye b tha isme..

Name	Mayuri
समर्पित?	
From:	Toronto Canada
Age of body	60
ज्ञान में	5 years
HLM कब से	3 Years
Experience:	Om Shanti! A big thank you to the highlighted Murli Team! The way you've emphasized the key points with visuals makes Baba's directions feel incredibly simple and direct. It has saved me time and provided a clear roadmap for my dharna (practice). Very much appreciated! Matter of fact: Highlighted Murli allows focus. It helps the mind stay centered on the most "elevated" point. Saving time, It enables a quick but powerful refresh during a busy day. And for Churning, it provides a specific "seed" for deeper meditation. May Baba's Divine blessing stay with Highlighted Murli Team in the days to come. TIBSY

यहां पर अभी बहुत थोड़े ही अनुभव रख रहे हैं क्योंकि समय की सीमा है (drafting आदि करने के लिए समय चाहिए) और दूसरे लौकिक कार्यों को भी निभाना है
लेकिन दिन प्रतिदिन थोड़े-थोड़े अनुभव ऐड करते रहेंगे
अच्छा ओम शांति